जिलाधिकारी, अयोध्या द्वारा जल जीवन मिशन कार्यक्रम अन्तर्गत 'हर घर जल' के सम्बन्ध में आहूत की गई समीक्षा बैठक दिनांक 21.05.2026 का कार्यवृत्त/दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश बिन्दु।

दिनांक 21.05.2026 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 'हर घर जल' के सम्बन्ध में प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), सहायक अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण), जिला समन्वयक, डी0पी0एम0यू0, टीम लीडर, टी0पी0आई0 तथा चयनित एजेंसी मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई, मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,–गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा–201301 (उ0प्र0) के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में की गई चर्चा एवं दिए गए निर्देशानुसार सभी सम्बन्धित अधिकारी को निम्न बिन्दुओं पर तत्काल अपेक्षित कार्यवाही करते हुए अनुपालन आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद अयोध्या में जल जीवन मिशन अन्तर्गत पेयजल योजनाओं के निर्माण हेतु कार्यरत एजेन्सियों को कराये गये कार्यों का भुगतान माह मार्च, 2026 में प्राप्त हुआ था, जो कि राज्य सरकार द्वारा प्रदान किया गया है, केन्द्र सरकार के स्तर से भुगतान प्राप्त नही हुआ है।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद अयोध्या में 1144 राजस्व ग्रामों हेतु 535 नग पेयजल योजनाओं में से 337 नग पेयजल योजनाएं पूर्ण कर ली गई हैं, जिसमें से 272 नग योजनाओं का रख–रखाव एवं संचालन का कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त 47 नग योजनाओं को रख–रखाव एवं संचालन कार्य शीघ्र प्रारम्भ किया जायेगा। 535 नग योजना अन्तर्गत 540 नग शिरोपरि जलाशय से सापेक्ष 445 नग का कार्य पूर्ण कराया जा चुका है, अवशेष शिरोपरि जलाशय के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। साथ ही 378 नग योजनाओं के 762 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ करा दी गई है।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद अयोध्या में 239 नग पेयजल योजनाओं में हर घर जल सर्टीफिकेशन कराया गया, साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि ग्राम प्रधानों द्वारा प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किये जा रहे है, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि समस्त ग्राम प्रधानों की मीटिंग बुलाई जाये और उनकी समस्याओं को सुना जाय ताकि स्पष्ट हो सके कि उनके द्वारा हस्ताक्षर क्यों नहीं किया जा रहा है।
- मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जानकारी चाही गई कि जितने पम्पहाउस पूर्ण किये जा चुके है उतनी योजनाओं में नियमित जलापूर्ति क्यों नहीं की जा रही है जिस पर अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि शेष योजनाओं पर नियमित जलापूर्ति हेतु कार्य कराया जा रहा है।
- मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जानकारी चाही गई कि उनके द्वारा निरीक्षण की गई मीसा पेयजल योजना विकासखण्ड–रूदौली में पाइप लाइन की गहराई कम देखी गई जिस पर फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर, मे0 यूनिवर्सल एम.ई.पी., मुम्बई द्वारा अवगत कराया गया कि खुदाई के कारण पाइप लाइन ऊपर दिखाई दे रही है, अन्य स्थानों पर गहराई ठीक है, जिसकी जांच करायी जा सकती है।
- विकासखण्ड–मसौधा में कोटसराय पेयजल योजना में द्वितीय नलकूप हेतु भूमि रेलवे के दूसरी तरफ प्राप्त हुई है, जो योजना से काफी दूरी एवं रेलवे लाइन क्रासिंग के कारण अन्य भूमि योजना के तरफ खोजी जा रही है। विकासखण्ड– मया बाजार के समदा पेयजल योजना में द्वितीय नलकूप हेतु भूमि चिंहित कर ली गई है, एवं बनगवां में द्वितीय नलकूप हेतु बोरिंग का कार्य पूर्ण किया गया था, परन्तु भूमि व्यक्तिगत होने के कारण मा0 उच्च न्यायालय में वाद विचाराधीन है तथा विकासखण्ड–मिल्कीपुर में परसावां पेयजल योजना में शिरोपरि जलाशय

प्रथम आवंटित भूमि पर बना है, बोरिंग अन्य भूमि पर हुई, मा0 उच्च न्यायालय में वाद विचाराधीन है एवं विकासखण्ड–सोहावल में पिरखौली पेयजल योजना में द्वितीय नलकूप हेतु चिन्हित भूमि 2.5 किमी0 दूर होने के कारण फर्म द्वारा भूमि क्रय के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। जिसके संदर्भ में जिलाधिकारी, अयोध्या द्वारा निर्देश दिया गया कि सम्बन्धित उपजिलाधिकारी से सम्पर्क कर भूमि विवाद का निस्तारण कराते हुए शीघ्र कार्य प्रारम्भ करायें।

- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि 535 नग पेयजल योजनाओं के अन्तर्गत 592 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 579 नग, 592 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 524 पम्पहाउस, 592 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 543 नग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 10657 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 10222 किमी0 पाइप लाइन बिछायी जा चुकी है तथा 333584 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 327962 नग का कार्य पूर्ण है। 535 नग पेयजल योजनाओं के अन्तर्गत 592 नग जलकल परिसर विकास कार्य के सापेक्ष 330 नग कार्य तथा 327 नग क्लोरीनेशन एवं सोलर 424 नग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 535 नग पेयजल योजनाओं में पाइप लाइन बिछाये जाने हेतु 5489 किमी0 सड़क पुनर्स्थापना का कार्य पूर्ण कराया गया जो कि लक्ष्य का 99 प्रतिशत है।
- अधोहस्ताक्षरी द्वारा सभी फर्मों को निर्देशित किया गया कि जिन योजनाओं में नियमित जलापूर्ति की जा रही है वहां पर क्लोरीनेशन के साथ ही जलापूर्ति की जाय।
- अधोहस्ताक्षरी द्वारा जल निगम (ग्रामीण) समस्त जूनि0इंजी0 एवं सहायक अभियन्ताओं को निर्देशित किया गया कि अपने से सम्बन्धित समस्त योजनाओं में गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराते हुए ससमय अवशेष कार्य पूर्ण करायें।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) के द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कराये गये सभी 535 नग योजनाओं के नलकूपों का Source Sustainibility Plan तैयार कर अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। रिपोर्ट के अनुसार जनपद के सभी नलकूप Sustainble हैं तथा वाटर क्वालिटी सही है।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) के द्वारा अवगत कराया गया कि समस्त लक्षित 190 नग एकल ग्राम योजनाओं की आर0पी0डब्लू0एस0एस0 आई0डी0 बना ली गई है तथा लक्षित 345 नग ग्राम समूह पेयजल योजनाओं में से 12 नग पेयजल योजनाओं की आर0पी0डब्लू0एस0एस0 आई0डी0 बनायी गई है। चूंकि ग्राम समूह पेयजल योजनाओं की आई0डी0 राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ के लॉग–इन से बनाया जाता है, जिस हेतु कार्य प्रगति पर है।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) के द्वारा अवगत कराया गया कि समस्त लक्षित 353 नग राजस्व ग्रामों का जल आंकलन ग्राम सचिव के माध्यम से पूर्ण करा लिया गया है।

<u>एजेंसीवार प्रगति की समीक्षा की गई जिसका विवरण निम्न है –</u>

1. मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –

* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 164 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 164 नग, 164 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 164 नग, 164 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 163 नग, 159 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 151 नग, 2311 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 2380 किमी0 पाइप लाइन का कार्य तथा 116908 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 117000 नग का कार्य पूर्ण है, 148 नग पेयजल योजनाओं के 263 नग राजस्व ग्रामों में जलापूर्ति की की जा रही है। 139 नग पेयजल योजनाएं रख–रखाव एवं संचालन कार्य हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।

* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि शेष शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य प्रगति पर जिसे शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जायेगा।

* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि विकासखण्ड– रूदौली में कैथी पेयजल योजना में पाइप लाइन बिछाये जाने हेतु बांध क्रास किये जाने हेतु सिंचाई विभाग से अनुमति की आवश्यकता है। जिस पर अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई विभाग से वार्ता की गई है शीघ्र अनुमति प्राप्त कर ली जायेगी।
* अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि सड़क मरम्मत की क्या स्थिति है, जिसके सम्बन्ध में फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि सड़क का कार्य कराया गया।

2. मेसर्स वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –

* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 328 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 315 नग, 328 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 263 नग, 328 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 282 नग, 296 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 237 नग, 7077 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 6592 किमी0 पाइप लाइन का कार्य तथा 189415 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 187387 नग का कार्य पूर्ण है, 158 नग पेयजल योजनाओं से नियमित जलापूर्ति की जा रही है। 90 नग पेयजल योजनाएं रख–रखाव एवं संचालन कार्य हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।
* अधोहस्ताक्षरी द्वारा पेयजल योजनाओं के समस्त कार्यों की धीमी प्रगति के सम्बन्ध फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर के प्रति रोष व्यक्त करते हुए कहा गया कि आगामी बैठक में आप अपने स्टेट हेड के साथ प्रतिभाग करें एवं प्रगति सुधार हेतु निर्देशित किया गया। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद अयोध्या में फर्म की प्रगति धीमी है, फर्म के टेक्निकल टीम की संख्या कम है। लगभग 75 नग पेयजल योजना पर शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य बन्द है।
* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 158 नग योजनाएं पूर्ण कर ली गई हैं, जिनमें नियमित जलापूर्ति की जा रही है। जिसमें से 108 योजनाओं में क्लोरीनेशन के साथ जलापूर्ति की जा रही है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा रोष व्यक्त करते हुए कहा गया कि समस्त योजनाओं में क्लोरीनेशन के साथ जलापूर्ति करें।

3. मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,–गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –

* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 54 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 54 नग, 54 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 53 नग, 54 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 53 नग, 49 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 42 नग, 854 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 826 किमी0 पाइप लाइन का कार्य तथा 26082 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 25035 नग का कार्य पूर्ण है, 38 नग पेयजल योजनाओं में जलापूर्ति की की जा रही है। 27 नग पेयजल योजनाएं रख–रखाव एवं संचालन कार्य हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।
* अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि अवशेष 06 नग शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य कब पूर्ण कर लिया जायेगा। जिस पर फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि आगामी 02 माह में शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।

4. मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –

* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 46 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 45 नग, 46 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 44 नग, 46 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 44 नग, 36 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 33 नग, 417 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 424 किमी0 पाइप लाइन का कार्य तथा 19523 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 18851 नग का कार्य पूर्ण है, 33 नग पेयजल योजनाओं में जलापूर्ति की की जा रही है। 16 नग पेयजल योजनाएं रख–रखाव एवं संचालन कार्य हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।

* विकासखण्ड– सोहावल के पिरखौली पेयजल योजना पर द्वितीय नलकूप हेतु भूमि उपलब्ध नहीं हो रहा है, जिसे फर्म द्वारा भूमि क्रम किये जाने हेतु निर्णय लिया गया है।

5. **आई0एस0ए0 –**

अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि क्या आई0एस0ए0 संस्थाओं द्वारा जनपद में कार्य कराया जा रहा है, जिस पर जिला कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0 द्वारा अवगत कराया गया कि सभी आई0एस0ए0 संस्थाओं द्वारा कार्य कराया जा रहा है, परन्तु विगत डेढ़ वर्षों से आई0एस0ए0 संस्थाओं को भुगतान प्राप्त न होने के कारण कार्य कराये जाने में असुविधा हो रही है।

इसके अतिरिक्त अधोहस्ताक्षरी द्वारा समस्त कार्यदायी फर्मो को निर्देशित किया गया कि सड़क मरम्मत का कार्य गुणवत्ता पूर्ण कराया जाये, केवल खानापूर्ति न की जाये। साथ ही अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) को यह निर्देश दिया गया कि जिन फर्मों की प्रगति खराब है, उनके विरूद्ध चेतावनी पत्र अधोहस्ताक्षरी से निर्गत करायें।

कार्यालय– जिलाधिकारी, अयोध्या

पत्रांक / / दिनांक :

प्रतिलिपि – निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. मुख्य विकास अधिकारी, अयोध्या।
2. अधीक्षण अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), अयोध्या।
3. अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), अयोध्या को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि बैठक दौरान दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।
4. समस्त उपजिलाधिकारी, अयोध्या को इस आशय से प्रेषित कि अपने से सम्बन्धित क्षेत्र की योजनाओं में भूमि उपलब्ध नहीं है अथवा भूमि विवादित है, का निस्तारण कराने का कष्ट करें।
5. समस्त खण्ड विकास अधिकारी को इस निर्देश के साथ कि पूर्ण योजनाओं के हर घर जल प्रमाणीकरण हेतु ग्राम पंचायत सचिव से सत्यापन कराकर प्रमाणीकरण का कार्य कराएं।
6. डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0, अयोध्या।
7. टीम लीडर, टी0पी0आई0, अयोध्या यूनिट।
8. मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स वी0एस0ए0– एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई, मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,–गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा–201301 (उ0प्र0)।

Digitally signed by
SHASHANK TRIPATHI
Date: 01-07-2026
11:06:56

(शशांक त्रिपाठी)
जिलाधिकारी
अयोध्या।